ईकोलॉजिकल जोन में 23 बीघा कृषि भूमि में बसाई अवैध कॉलोनी श्रीनाथ रेजीडेंसी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी का आगरा रोड ईकोलॉजिकल जोन भू माफियों और अवैध कॉलोनी बसाने वालों के लिए पंसदीदा इलाका बन गया है। इस इलाके में लगातार अवैध कॉलोनियां बसाई जा रही है। इन कॉलोनियों में भूमाफिया भोले भाले लोगों को सोसायटी के पट्टे देकर उनसे खुले आम लूट कर रहे हैं।

- जयपुर आगरा रोड पर गुढ़ा चक गांव में 100 फीट राजमार्ग पर काटी अवैध कॉलोनी
- दी राजहंस कॉपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी के दिए जा रहे हैं बैकडेट में पट्टे

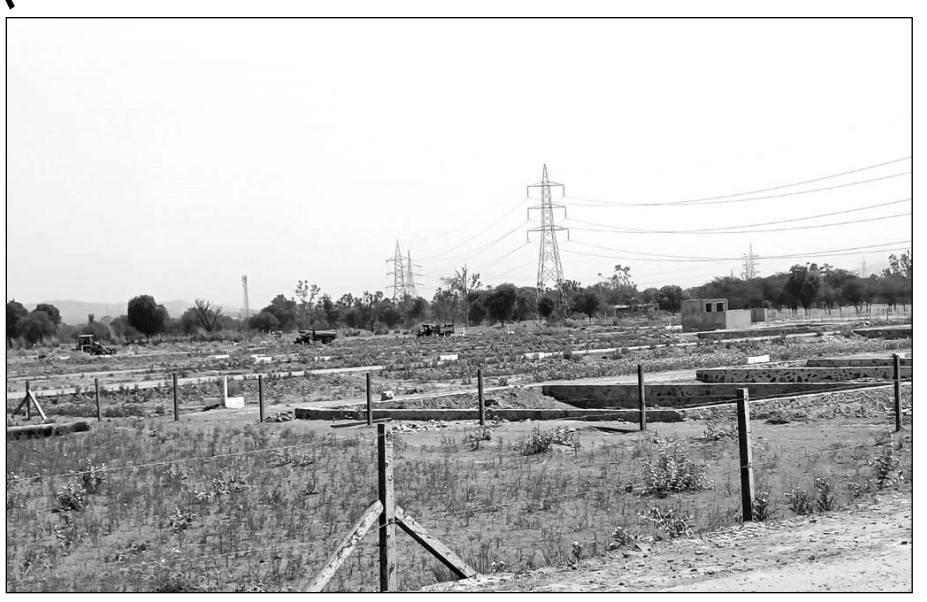

इनमें से एक ऐसी ही कॉलोनी श्रीनाथ विहार है जिसमें लोगों को अवैध तरीके से बसाने का खेल चल रहा है।

जयपुर आगरा रोड पर गुढ़ा चक गांव तहसील बस्सी में काटी जा रही है। करीब 23 बीघा कृषि भूमि पर यह अवैध कॉलोनी काटी गई है, वह भी जेडीए से बिना मंजूरी और लैंड कंवर्जन कराए बिना ही। भू-माफिया श्रीनाथ रेजीडेंसी के नाम से यह अवैध कॉलोनी बसा रहे हैं।

भूखंड़ों का अवैध खरीद-बेचान

करीब 23 बीघा कृषि भूमि पर यह अवैध कॉलोनी काटी गई है, वह भी जेडीए से बिना मंजूरी और लैंड कंवर्जन कराए बिना ही। भू-माफिया श्रीनाथ रेजीडेंसी के नाम से यह अवैध कॉलोनी बसा रहे हैं। भू-माफिया दी राजहंस कॉपरेटिव हाऊसिंग सोसयाटी लिमिटेड जयपुर (रजिस्ट्रेशन 1617/एल) के बैकडेट पट्टों व रसीदों के आधार पर भूखंड़ों का अवैध खरीद-बेचान कर रहे हैं।

इसमें भारी ब्लैकमनी का लेन-देन हो रहा है। कॉलोनी बसाने के लिए यहां पर अभी अलग-अलग ब्लॉक बनाने का काम चल रहा है। पूरी कॉलोनी में ग्रेवल सडक़ बन चुकी है। कॉलोनी के अंदर तीस फीट की सडक़ें हैं, वहीं श्यामपुरा गांव की तरफ जाने वाली एक सडक़ चालीस फीट की है। एक सौ वर्गगज राजमार्ग के दोनों तरफ कॉमर्शियल भूखंड हैं। बाजार में उक्त अवैध कॉलोनी के नक्शे भी सामने आ चुके हैं और भूखंड़ों के खरीद-बेचान का काम जोरों पर है। कई लोगों ने भूखंडों के चारों तरफ बाउंड्रीवाल भी कर ली है। बिजली की हाई टेंशन लाइनों के नीचे सड़क बनाई जा रही है।

रोक के बावजूद सड़कें बनी

हाऊसिंग सोसायटी के कर्ताधर्ता भू-माफिया से आपराधिक मिलीभगत करते हुए लैंड कंवर्जन करवाए बिना ही बैकडेट में कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनी काट रहे हैं।

ईकोलॉजिकल जोन में प्रतिबंधित होने के बावजूद अवैध कॉलोनियां बसाकर राजस्थान हाईकोर्ट के आदेशों की धज्जियां भी उड़ा रहे हैं। ऐसी ही एक बड़ी अवैध कॉलोनी ईकोलॉजिकल जोन में जयपुर आगरा रोड पर गुढ़ा चक गांव तहसील बस्सी में काटी जा रही है।

जेडीए भी नहीं कर रहा कोई कार्रवाई

कृषि भूमि पर लैंडयूज चेंज कराए बिना ही काटी जा रही इस अवैध कॉलोनी को लेकर स्थानीय नागरिक, ग्राम पंचायत व तहसील प्रशासन की ओर से जेडीसी, प्रवर्तन शाखा को भी लिखित शिकायत दे रखी है, लेकिन रसूखदार भू-माफियाओं के आगे जेडीए भी इस अवैध कॉलोनी की तरफ आंख मूंद रखी है।

तहसीलदार बस्सी भी सिर्फ नोटिस देकर अपने कार्य की इतिश्री कर रहे हैं।

अवैध कॉलोनी को रोकने और ध्वस्त करने के लिए जेडीए व स्थानीय तहसील प्रशासन ने चुप्पी साध रखी है।

आवासीय व कॉमर्शियल भूखंड दोनों

यह अवैध कॉलोनी गुढ़ा चक गांव में एक सौ फीट राजमार्ग पर है और प्राइम लोकेशन पर है। इस राजमार्ग के दोनों तरफ ही कृषि भूमि है। एक सौ फीट राजमार्ग से सटे भूखंड कॉमर्शियल हैं तो उनके पीछे आवासीय भूखंड है। श्रीनाथ रेजीडेंसी के नाम से काटी जा रही इस अवैध स्कीम में 306 में से करीब 50 भूखंड कॉमर्शियल है। आवासीय भूखंड की रेट 25 हजार रुपये प्रति वर्गगज के हिसाब से है। राजमार्ग से लगते कॉमर्शियल भूखंड की रेट पचास हजार रुपये प्रतिवर्ग है। अभी भू-माफिया ब्लॉक में भू-कारोबारियों को भूखंड बेचने में लगे हुए हैं।

पार्क, सीवरेज, पेजयल जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं

जयपुर विकास प्राधिकरण राजधानी में लोगों का आवास सपना पूरा करने के लिए सभी सुविधाओं से युक्त रेरा से स्वीकृत आवासीय योजनाएं लॉंच करता है, वहीं दूसरी तरफ भू-माफिया अपने निजी फायदे के लिए शहर को अवैध बसावट में तब्दील करने में लगे हुए हैं। इस गैर कानूनी कृत्य में कई हाऊसिंग सोसायटी के कर्ताधर्ता भी संलिप्त हैं, जिनके बैकडेट में दिए जा रहे पट्टों से अवैध बसावट हो रही है। वहीं लोगों को पार्क, सीवरेज, पेजयल जैसी सुविधाओं से वंचित होना पड़ रहा है। सरकार को लाखों करोड़ों रुपयों की रेवेन्यू का नुकसान भी झेलना पड़ रहा है।

मनु गर्ग को यूपीएससी परीक्षा में 91वीं रैंक

जयपुर। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा 2024 में जयपुर के युवा मनु गर्ग ने शानदार सफलता हासिल की है। महज 23 वर्ष की आयु में उन्होंने अखिल भारतीय स्तर पर 91वीं रैंक प्राप्त करने केवल अपने परिवार बल्कि पूरे राजस्थान को गौरवान्वित किया है। जयपुर के मूल निवासी मनु गर्ग ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा जयपुर के ही प्रतिष्ठित सेंट जेवियर स्कूल से प्राप्त की। इसके बाद उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने नई दिल्ली का रुख किया, जहां उन्होंने हिंदू कॉलेज से स्नातक की डिग्री हासिल की। मनु ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से मास्टर डिग्री प्राप्त की। वे जेएनयू में जूनियर रिसर्च फेलो के छात्र भी रहे जहां उन्होंने गहन अध्ययन और अनुसंधान में अपना समय लगाया।

मकान की छत काटकर चोर ले गए पांच लाख रुपए

जयपुर। मुहाना थाना इलाके में मकान की छत काटकर चोर पांच लाख रुपए व जेवरात ले गए। पुलिस के अनुसार किशन कॉलोनी कल्याणपुरा निवासी गीता ने मामला दर्ज करवाया कि सोमवार रात को चोर उसके घर की छत काटकर अंदर घुसे और कमरे से पांच लाख रुपए व जेवरात ले गए। घटना की जानकारी पीडिता को सुबह उठने पर लगी।

सार-समाचार

मोहनलाल शर्मा प्रदेश महामंत्री, देवेंद्र सिंह नरूका बने प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष

जयपुर। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत) के पांचवीं बार निर्विरोध निर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष गजेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा संगठन की नई 111 सदस्यीय प्रदेश कार्यकारिणी की औपचारिक घोषणा आज महासंघ एकीकृत के प्रदेश कार्यालय राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय सरदार पटेल मार्ग जयपुर पर आयोजित बैठक में की गई है। यह कार्यकारिणी राज्य भर में संगठनात्मक गतिविधियों को सुदृढ़ करने एवं कर्मचारियों के हितों की प्रभावी रूप से रक्षा करने के उद्देश्य से गठित की गई है। घोषित कार्यकारिणी में मोहनलाल शर्मा को प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है, वहीं देवेन्द्र सिंह नरूका को प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संगठनात्मक संतुलन एवं प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखते हुए कार्यकारिणी में विभिन्न अनुभवी एवं कर्मठ सदस्यों को स्थान दिया गया है। सात उपाध्यक्षों में श्रीलाल मीणा, चन्द्रभान चौधरी, अजयवीर सिंह राठौड़, मधुबाला शर्मा, तिलक चन्द्र शर्मा, श्रीराम मीणा, राजेश चौधरी विभिन्न अनुभवी सदस्यों को शामिल किया गया है। प्रदेश प्रवक्ता बाबूलाल शर्मा, नौ संयुक्त महामंत्री में सर्वेश्वर शर्मा, शैरसिह यादव, अशोक भण्डारी, उमेश शर्मा, देवीसहाय वर्मा, आर सी जाखड़, बी आर चोपड़ा, उदय सिंह राघव, राम नरेश जाटव सहित प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से सक्रिय कार्यकर्ताओं को चुना गया। कोषाध्यक्ष बहादुर सिंह राठौड़, सह वित्त मंत्री में प्रभु सिंह रावत 15 प्रदेश मंत्री में नाथू सिंह गुर्जर, सुरेन्द्र सिंह गुप्ता, रमाकांत शर्मा, झलकन सिंह राठौड़, प्रहलाद राय अग्रवाल, आदि संगठन की नीतियों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने हेतु नियुक्त किया गया। चार संयुक्त मंत्री संजय शर्मा, धनराज गुप्ता, संजय गोयल, सात संगठन मंत्री में राजीव गंगवार, अजीत सिंह शेखावत, मनीष फगेडिया, रणजीत मीणा , सहीदउदीन आदि क्षेत्रीय समन्वय हेतु नियुक्त किया गया। वहीं मीडिया प्रभारी विजय सिंह बने।

आईपीएल में जीएसटी चोरी का आरोप

जयपुर। जयपुर नगर निगम ग्रेटर के नेता प्रतिपक्ष राजीव चौधरी और राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव गिरिराज खंडेलवाल ने आईपीएल में जीएसटी चोरी का आरोप लगाते हुए जांच व वसूली की मांग की है। इस बारे में जीएसटी आयुक्त सी के जैन को बाकायदा एक पत्र साथ में प्रूफ दिया है। उदाहरण के तौर पर बताया गया है कि पूरे परिसर में पार्किंग का काम जिसे दिया गया था, उसने कार के लिए 300 रूपए प्रति कार पार्किंग का शुल्क लिया और उस पर जो जीएसटी बनता है वह स्टेट ट्रेज़री तक पहुंचा भी नहीं। पार्किंग शुल्क रसीद की प्रति भी आयुक्त जीएसटी को दी गई है। यह आशंका भी जताई गई है कि यह तो एक छोटा उदाहरण मात्र है, अन्य अनेक ऐसी वस्तुओं की बिक्री व सेवाएं रही है, जिन पर जीएसटी स्टेट को मिला या नहीं यह जांच की जाये। उल्लेखनीय है कि आईपीएल के आयोजन का जिम्मा इस समय राजस्थान खेल परिषद के पास है और आयोजन में अनेक अनियमितताएं देखने को मिली हैं।

ट्रकों से लाखों रुपये लोहे के सरिए चोरी करने वाले चालक-कंडक्टर गिरफ्तार

जयपुर। करधनी थाना पुलिस ने एक बेहद शातिर औद्योगिक ठगी का खुलासा करते हुए ट्रक ड्राइवर और कंडक्टर को गिरफ्तार किया है। इन दोनों की जोड़ी ने बड़ी चालाकी से लोडेड

- ट्रकों के अन्दर केबिन में बक्सा बना कर सरियों के वजन की रोडी-बजरी भरकर करते थे लोहे के सरिए चोरी
- स्टील कंपनी को लगाई करोड़ों की चपत

ट्रकों से लोहे के सरिए चुराकर करोड़ों की चपत लगाते थे। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लोडेड ट्रकों से लाखों रुपये के लोहे के सरिए चोरी करने वाले आरोपी सांवरमल उर्फ हरिसिंह निवासी उदयपुरवाटी जिला झुंझुनूं एवं संजय सैनी निवासी खेतडी हाल हरमाडा जयपुर को गिरफ्तार किया है।जांच में खुलासा हुआ कि मुख्य आरोपी सावरमल उर्फ हरिसिंह (ड्राइवर) और संजय सैनी (कंडक्टर) ने ट्रक के केबिन में एक गुप्त बक्सा बना रखा था, जिसमें वे लोहे के सरिए के बराबर वजन की रोड़ी-बजरी भरते थे। जब माल गंतव्य पर पहुंचा दिया जाता, तो धर्मकांटे (वजन तोलने) पर ले जाने से पहले वे किसी सुनसान जगह जाकर बटन दबाते थे, जिससे बक्सा खुलता और उसमें भरी बजरी बाहर गिर जाती। इससे वजन संतुलित दिखाई देता और कोई चोरी पकड़ नहीं पाता। आरोपियों से पूछताछ जारी है और पुलिस इस गिरोह से जुड़ी अन्य कड़ियों और ट्रकों की भी तलाश में है।

मेसर्स श्री राम प्रोडक्ट्स ने अनुमान जताया है कि अब तक इस तरह की ठगी से कंपनी को लाखों का नुकसान हो चुका है। पुलिस इस मामले को औद्योगिक अपराध और धोखाधड़ी की गंभीर श्रेणी में मानते हुए कार्रवाई कर रही है।पुलिस उपायुक्त पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि 19 अप्रैल 2025 को श्री राम प्रोडक्ट्स के मुख्य प्रबंधक भूपेन्द्र सिंह तोमर ने थाना करधनी में शिकायत दर्ज करवाई थी।

डकैती की बड़ी साजिश नाकाम, हथियारों से लैस पांच बदमाश गिरफ्तार

सीएसटी और मुहाना पुलिस की सतर्कता से बची शहर की शांति

जयपुर। सीएसटी जयपुर एवं थाना मुहाना की संयुक्त कार्रवाई करते हुए डकैती की योजना को समय रहते नाकाम कर पुलिस ने पांच शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1 देशी कट्टा (315 बोर), 1 लोहे का प्लास, 1 छोटी लोहे की कुस्सी, 1 धारदार छुरा, 1 थैली लाल मिर्च पाउडर से भरी (आंखों में झोंकने के लिए) बरामद किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ करने में जुटी है।

गिरफ्तार आरोपी प्रदीप शुक्ला उर्फ बाबा शुक्ला (24) आगरा यूपी, शशांक सिंह (20) जामडोली, हर्ष तोलानी (20) मुहाना, सौरभ जोशी (19) मुहाना एवं अशोक गिरी गोस्वामी (27) गोविन्दगढ़ जयपुर के रहने वाले है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष ऑपरेशन के तहत यह सफलता मिली।

बीती रात एक गुप्त सूचना मिली कि कुछ बदमाश द्विगी रोड के पास एक सुनसान बंगले में डकैती की योजना बना रहे हैं। इस पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ललित कुमार शर्मा और सहायक पुलिस आयुक्त आदित्य काकडे के सुपरविजन में थाना मुहाना के थानाधिकारी उदय सिंह यादव के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे एक पेट्रोल पंप पर डकैती की योजना बना रहे थे। गिरोह का सरगना प्रदीप शुक्ला पहले भी फायरिंग के एक मामले में वांटेड था। पुलिस को शक है कि यह गैंग अन्य बड़ी आपराधिक घटनाओं में भी शामिल रहा है। इस कामयाबी के पीछे जयपुर पुलिस की सतर्कता के साथ-साथ उनके मुखबिर तंत्र की अहम भूमिका रही।

अधिकारियों ने बताया कि आने वाले दिनों में आरोपियों से और भी खुलासे होने की संभावना है।

सीएसटी जयपुर एवं थाना मुहाना ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए डकैती की योजना को समय रहते नाकाम कर पांच शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

विप्र फाउंडेशन ने पहलगाम में हुए शहीदों को कैंडल मार्च निकाल दी श्रद्धांजलि

जयपुर। विप्र फाउंडेशन ने बुधवार शाम पहलगाम में हुए शहीदों को अंबेडकर सर्किल से अमर जवान ज्योति तक कैंडल मार्च निकाल दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि अर्पित की। विप्र फाउंडेशन ने केंद्र से आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष की मांग भी की है। भारत माता की जय, पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे भी लगे। विधायक गोपाल शर्मा मार्च का नेतृत्व किया।

पहलगाम में हुए शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए निकाले गए इस कैंडल मार्च में विप्र फाउंडेशन जयपुर जोन अध्यक्ष राजेश कर्नल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष परमेश्वर शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री पवन पारीक, राष्ट्रीय सचिव नरेंद्र हर्ष व सुनीता शर्मा, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष सोनाक्षी वशिष्ठ, युवा समन्वयक मनोज पांडे, संगठन महामंत्री सतीश शर्मा, रामगोपाल शर्मा, जयपुर शहर अध्यक्ष महेंद्र शर्मा, महंत पुष्पेंद्र शर्मा, संतोष दाधीच, सुशील शर्मा पीरनगर, पुष्पेंद्र शर्मा, अजय पारीक, अंशुमान शास्त्री, बसंत शर्मा, अजित गौड, राहुल पाण्डेय, हितेश शर्मा, दीपेश शर्मा, मधुकर पारीक, विनय दाधीच अनुपम तिवारी आदि मौजूद थे।

स्टे खारिज होने के बाद भी जेडीए से चार महीने पहले ट्रांसफर हो चुके एक्सईएन चार्ज नहीं सौंप रहे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण में चार महीने पहले जलदाय विभाग ट्रांसफर हो चुके एक्सईएन दिनेश कुकना जेडीए को छोड़ना नहीं चाह रहे हैं। इसमें जेडीए प्रशासन भी उनका पूरा

- ट्रांसफर हो चुके एक्सईएन को रोकने के लिए जेडीए प्रशासन नए नए तरीके अपना रहा है, चार महीने से खाली बैठे वेतन देना पड़ रहा है

सहयोग कर रहा है। दूसरी ओर जेडीए में जलदाय विभाग से प्रतिनियुक्ति पर आए एक्सईएन को रोकने के लिए जेडीए प्रशासन भी नए नए तरीके अपना रहा है।

दो-दो पदों का चार्ज

जेडीए में एक्सईएन दिनेश कूकना जलदाय विभाग से प्रतिनियुक्ति पर आए हैं। इसी साल जनवरी में उनका तबादला जलदाय विभाग में हो गया लेकिन उन्हें इस जगह से इतना प्रेम हो गया कि वे वापस जाने को भी तैयार नहीं है।

इसके लिए वे नए नए तरीके अपनाते रहे और जेडीए प्रशासन इस काम में उनका साथ देता रहा। इस बीच जेडीए में जलदाय विभाग से प्रतिनियुक्ति पर आए दो एक्सईएन को वे चार्ज सौंपने को किसी तरह तैयार नहीं हुए। कूकना का तबादला 15 जनवरी को जयपुर विकास प्राधिकरण से अधिशासी अभियंता कार्यालय मुख्य अभियंता शहरी एवं एनआरडब्लू जयपुर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में लगाया गया था।

रोकने के लिए नए नए तरीके

जेडीए में प्रतिनियुक्ति पर आने के बाद आज तक किसी भी इंजीनियर के खिलाफ किसी भी तरह की विभागीय जांच लंबित होने के लिए किसी तरह की कोई पूछताछ मूल विभाग से नहीं की जाती।

यहां जेडीए प्रशासन ने जलदाय विभाग, नगरीय विकास विभाग और कार्मिक विभाग से पूछ लिया लेकिन विभागों ने उन्हें बताया कि उनके यहां प्रतिनियुक्ति पर गए दोनों एक्सईएन के खिलाफ कोई मामला विचाराधीन नहीं है और उन्हें गत सात साल में किसी तरह से दंडित नहीं किया है।

इसके बाद भी जेडीए प्रशासन उन्हें वापस भेजने के लिए तैयार नहीं हो रहा है। जेडीए सचिव और जेडीए की अतिरिक्त आयुक्त प्रशासन डा. प्रिया बलराम शर्मा बार बार नगरीय विकास विभाग और मंत्री स्तर से मार्गदर्शन मांग रही है पर उन्हें काम नहीं सौंप रही।

ठाले बैठे चार महीने की तन्खा दी

जेडीए में जलदाय विभाग से प्रतिनियुक्ति पर आए दोनों इंजीनियर नीरज पिपलोदा और दिलीप लाम्बा को जेडीए में प्रतिनियुक्ति पर आए चार महीने हो चुके हैं लेकिन उन्हें पदभार संभालने नहीं दिया जा रहा है। जेडीए चार महीने से इन दोनों इंजीनियर को घर बैठे चार महीने की तन्खाह दे चुका है लेकिन उन्हें कोई काम नहीं दिया जा रहा है। दूसरी ओर दिनेश कूकना काम के बोझ के मारे है लेकिन वापस जाने को तैयार नहीं है।

स्टे खारिज होने के बाद भी वापस नहीं

जेडीए से ट्रांसफर हो चुके एक्सईएन पीएचई दिनेश कूकना ने अपना ट्रांसफर रुकवाने के लिए राजस्थान सिविल सेवा प्राधिकरण रैट से स्टे ले लिया था।

इसके बाद अभी दो दिन पहले रैट ने उनका स्टे भी खारिज कर दिया। साथ ही अपने आदेश में यह कहा कि एक ही जगह लगातार नियुक्ति के बाद सरकार दूसरी जगह पर उनका तबादला कर सकती है ऐसे में दिया गया स्थगन आदेश निरस्त किया जाता है।

ट्रांसफर के बावजूद हाउसिंग बोर्ड में भी जमे हुए है जलदाय विभाग के जीनियर

जलदाय विभाग के 2-3 अधिशाषी अभियंता राजस्थान हाउसिंग बोर्ड में भी ट्रांसफर के बावजूद टिके हुए है। प्रतिनियुक्ति पर लगे इन अफसरो का हाउसिंग बोर्ड की कुर्सी से इतना मोह है कि इन्होंने जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी और अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सावंत के आदेशों को भी दरकिनार करते हुए ट्रिब्यूनल कोर्ट जाकर स्टे लेने की कोशिश की।

इनमें अधिशासी अभियंता रामनिवास सिंघल और लखन सिंह मीणा और गीताराम मीणा शामिल है। अधिशासी अभियंता रामनिवास सिंघल ने "राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण में स्टे लेने के लिए दलील दी थी कि, वह राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत हैं और जलदाय विभाग ने उनका तबादला आरयूआईडीपी में करने से पूर्व उनसे सहमति प्राप्त नहीं की, जो की गलत है।

इस पर ट्रिब्यूनल अध्यक्ष विकास सीतारामजी भाले ने जनवरी माह के आदेश पर स्टे दे दिया, परन्तु उन्होंने साथ में यह भी कहा कि जलदाय विभाग नियमानुसार नए सिरे से स्थानांतरण करने के लिए स्वतंत्र हैं, जिसमे यह स्थगन आदेश बाधक नहीं होगा।

जलदाय विभाग के अफसर भी इन इंजीनियर्स पर मेहरबान

रामनिवास सिंघल को हाउसिंग बोर्ड से हटाने के लिए जब ट्रिब्यूनल कोर्ट ने जलदाय विभाग को अलग से स्वतंत्र आदेश निकालकर निर्णय लेने की छूट दे दी, इसके बावजूद भी जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के संयुक्त शासन सचिव (प्रथम) प्रवीण कुमार लेखरा ने इन अफसर को हटाने की जरूरत नहीं उठाई। जब उनसे बात की गई तो उन्होंने इस प्रकरण की जानकारी होने से भी मना कर दिया।

उनका कहना था कि जनवरी माह में हुए ट्रांसफर आदेश की उन्हें अब कोई जानकारी नहीं है। जबकि जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने भी जनवरी माह में जारी हुए तबादला आदेशों की पालना नहीं करने वाले अफसर की पूरी सूची मांगी थी। इसके बाद अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए सावंत ने भी सर्कुलर जारी करके पालना रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए थे।

सिंघल ने कुर्सी नहीं छोड़ी तो लखन सिंह मीणा भी डटे रहे

उधर रामनिवास सिंघल ने जब राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड की कुर्सी नहीं छोड़ी तो उनके साथी अभियंता लखन सिंह मीणा ने भी जलदाय विभाग के आदेश को मानने से इंकार कर दिया। इस पूरे प्रकरण के बीच राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड प्रशासन ने भी इन दोनों इंजीनियर पर पूरी मेहरबानी दिखाई।

गत 24 मार्च को राजस्थान आवासन मंडल सचिव ने इन दोनों इंजीनियर्स रामनिवास सिंघल और लखन सिंह मीणा को रिलीव करने के बजाय 3 दूसरे एक्सईएन गीताराम मीणा, सुदर्शन दयाल और रामकेश मीणा की प्रतिनियुक्ति सेवाएं रद्द की है।

जिसके बाद गीताराम मीणा भी ट्रिब्यूनल कोर्ट जाकर स्टे ले आए। अब लखन सिंह मीणा और उनके बीच भी कुर्सी की जंग चल रही है।

आतंकी हमले के खिलाफ कांग्रेस ने विरोध जताया

जयपुर। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा हमले में 26 पर्यटकों को मौत के घाट उतारने की घटना के विरोध और मृतकों की आत्मा को शांति के लिए श्रद्धांजलि देते हुए जिला कांग्रेस ने कैंडल मार्च निकाला। जयपुर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष आर आर तिवाडी के नेतृत्व में बुधवार 23 अप्रैल को सायं 6:30 बजे स्टैचू सर्किल जयपुर पर कैंडल मार्च निकाला गया। कैंडल मार्च में तिवाडी ने कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगांम में हुए हमले में पूरा देश एकजुट है और सभी इस कायराना हमले की निंदा करते हैं और समर्थन करते हैं, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तत्काल ऐसी कार्रवाई करें, जिससे आतंकियों के मंसूबे नेस्तनाबूत हो और कड़ी से कड़ी कार्रवाई कर आतंकवादियों का सफाया किया जाए। जिससे देश में अमन चैन बना रहे यह फीका फिरस्ती ताकते देश को कमजोर कर रही है।

कैंडल मार्च में विधायक रफीक खान, विधायक प्रत्याशी अर्चना शर्मा, मो सलीम, विनयपाल सिंह जादौन, मास्टर रियाजुद्दीन, रमेश कुमावत, जावेद सेठी, हरेंद्रसिंह जादौन, इम्तियाज गोरी, वाहिद खान, संजय कल्ला, राजकुमार शर्मा, सचिन चतुर्वेदी, अजहर खान, मंजू जेरटी, जगदीश शर्मा युगल किशोर शर्मा बब्लेश, पी डी शर्मा, मुस्तफा आलम, राजेश गुर्जर, रामप्रसाद गुर्जर, दिनेश मीणा, योगिता शर्मा आशीष हल्दीनिया, महिला कांग्रेस युवा कांग्रेस सेवादल जिला कांग्रेस के पदाधिकारी ब्लॉक अध्यक्ष पार्षद सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बंदी खुली जेल से फरार

जयपुर। आजीवन कारावास की सजा से दंडित बंदी सांगानेर खुली जेल से फरार हो गया। शाम को रोल कॉल पर नहीं मिलने पर जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया।